प्राक्कथन

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने 31 जनवरी, 2010 को 1999-2000 आधार वर्ष वाली एनएएस श्रृंखला के स्थान पर 2004-05 आधार वर्ष वाली राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की नई श्रृंखला जारी कर दी है । राष्ट्रीय लेखा का आधार वर्ष समय-समय पर परिवर्तित किया जाता है ताकि अर्थव्यवस्था में होने वाले संरचनात्मक बदलावों को ध्यान में रखा जा सके और सकल घरेलू उत्पाद, उपभोग व्यय, बचत, पूंजी निर्माण आदि जैसे वृहद समाहारों के जरिए अर्थव्यवस्था की वास्तविक तस्वीर दर्शाई जा सके ।

2. तदोपरान्त, सीएसओ ने मार्च, 2010 में "राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के बारे में नई श्रृंखला" नाम से एक पुस्तिका जारी की जिसमें कवरेज, नए आंकड़ा स्रोतों के इस्तेमाल के संदर्भ में नई श्रृंखला में किए गए बदलावों तथा राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए), 1993 और 2008 की कुछ सिफारिशों को व्यावहारिक सीमा तक शामिल किया गया था । पुस्तिका में नई श्रृंखला पर आधारित वृहद् आर्थिक समाहारों के अनुमानों की पिछली एनएएस श्रृंखला (आधार वर्ष 1999-00) के अनुमानों के साथ तुलना भी दी गई है और साथ ही इन दोनों सेटों में अंतरों के कारणों को भी प्रस्तुत किया गया है ताकि प्रयोक्ता यह समझ सकें कि किसी सीमा तक बदलाव किए गए हैं और विभिन्न वृहद्-आर्थिक समाहारों पर इनका क्या प्रभाव पडा है ।

3. राष्ट्रीय लेखा की नई श्रृंखला शुरू करने के बाद, यह आवश्यक हो गया है कि संपूर्णता और तुलनात्मकता के मद्देनजर 1950-51 से 2004-05 तक की अवधि हेतु राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी पिछली श्रृंखला के अनुमानों को जारी किया जाए । प्रस्तुत प्रकाशन आधार वर्ष 2004-05 से राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की नई श्रृंखला के अनुसार वर्ष 1950-51 से 2004-05 तक के लिए अन्य वृहद-आर्थिक समाहारों तथा उद्योग/मद स्तर पर घरेलू उत्पाद, पूंजी निर्माण के विस्तृत अनुमान देता है । इस प्रकाशन से 1950-51 से आगे की राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की सतत् श्रृंखला प्रयोक्ताओं के लाभार्थ उपलब्ध होगी ।

4. मैं इस प्रकाशन को जारी करने में राष्ट्रीय लेखा प्रभाग (एनएडी), सीएसओ के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों के प्रयासों की अत्यंत प्रशंसा करता हूँ ।

टी.सी.ए. अनंत
भारत के मुख्य सांख्यिकीविद्
राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग

नई दिल्ली